17-08-2019

थाईलैंड से स्पेशल शुगर बनाना सीखेगा एनएसआई

थाईलैंड के विशेषज्ञों से बात करते एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन।

कानपुर | वरिष्ठ संवाददाता

ब्राजील के बाद थाईलैंड सबसे बड़ा चीनी निर्यातक देश बन गया है। वहां विविध प्रकार की शुगर का उत्पादन किया जा रहा है, जो काफी पसंद आ रही है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में थाईलैंड के विशेषज्ञों से यह स्पेशल शुगर बनाना सीखेगा। वहीं थाईलैंड के वैज्ञानिक संस्थान में खोई से बन रहे उत्पादों के बारे में जानकारी लेंगे।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) में शुक्रवार को थाईलैंड का एक प्रतिनिधि मंडल भ्रमण के लिए पहुंचा। वाणिज्य मंत्रालय के उप सचिव सुकार्त सिनरात की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान के वैज्ञानिकों से चीनी उत्पादन बढ़ाने पर चर्चा की। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने शोध, खोई से बनाए जा रहे उपयोगी उत्पाद, दूषित जल-शोधन, फिल्टर केक, कृषि-कचरे से बायो-सीएनजी के बारे में जानकारी दी। थाईलैंड के विशेषज्ञों ने बायो-सीएनजी और फिल्टर केक पर विशेष दिलचस्पी दिखाई। प्रो. मोहन ने बताया कि थाईलैंड के विशेषज्ञ एनएसआई के साथ मिलकर चीनी उद्योग को बढ़ावा देने के लिए शोध करना चाहते हैं।

स्पेशल चीनी बनाना सीखेगा थाईलैंड

थाईलैंड से आए वैज्ञानिकों को जानकारी देते प्रो. नरेंद्र मोहन।

कानपुर। ब्राजील के बाद अब थाईलैंड भी एनएसआई (नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट) से विविध तरीकों से चीनी बनाने का तरीका सीखेगा। चीनी बनाने में यह दोनों देश काफी आगे हैं, इसके बावजूद इन देशों ने भारत से चीनी की अलग-अलग वैराइटी बनाने का गुर सीखने का फैसला लिया है। शुक्रवार को एनएसआई में थाईलैंड का एक प्रतिनिधि मंडल भ्रमण के लिए पहुंचा। थाईलैंड के वाणिज्य मंत्रालय के उप सचिव सुकार्त सिनरात की अगुवाई में प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान के वैज्ञानिकों से चर्चा करते हुए चीनी उत्पादन को बढ़ाने पर चर्चा की। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने संस्थान के शोध, खोई से बनाए जा रहे उपयोगी उत्पाद, दूषित जल-शोधन, फिल्टर केक, कृषि-कचरे से बायो-सीएनजी के बारे में जानकारी दी। थाईलैंड के विशेषज्ञों ने बायो-सीएनजी और फिल्टर केक पर विशेष दिलचस्पी दिखाई। प्रो. मोहन ने बताया कि थाईलैंड के विशेषज्ञ एनएसआई के साथ मिलकर चीनी उद्योग को बढ़ावा देना और शोध करना चाहते हैं।

थाईलैण्ड की टीम ने लैब में देखे रिसर्च

कानपुर, 16 अगस्त। थाईलैण्ड से आये 15 सदस्यीय दल ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शैक्षणिक व अनुसंधान संबंधी गतिविधियों का अवलोकन के साथ दौरा किया। टीम में आये सदस्यों ने गन्ना उत्पादन बढ़ाना, चीनी मिलो की तकनीकी दक्षता में अभिवृद्धि करना और राजस्व बढ़ाने के लिए चीनी मिलो में नवीनतम

● १५ सदस्यीय टीम ने किया एनएसआई का दौरा

थाईलैंड टीम के सदस्यों से बातचीत करते निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन।

उत्पादन का विकास के बारे में विस्तृत जानकारियां की। टीम ने आधुनिकतम उपकरणो, प्रयोगशालाओ, स्मार्ट क्लास रूम एवं संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा विविध सामयिक विषयों पर किये जा रहे अनुसंधान कार्यों को देखा। संस्थान के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने संस्थान में विविधि पाठ्यक्रमों एवं अन्य कार्यकलापो के संबंध में एक प्रिजेंटेशन दिया। निदेशक ने बताया कि संस्थान में गन्ने एवं चीनी की उत्पादकता में और वृद्धि के अलावा ऊर्जा एवं जल संरक्षण, बाजार की मांग के अनुसार विविध गुणो वाली चीनी के निर्माण एवं शर्करा उपयोग के साथ उत्पादों से मूल्य वर्धित उत्पादों हेतु प्रयासरत है। थाईलैण्ड के प्रतिनिधि मंडल ने फिल्टर केक अन्य कृषि कचरे से उत्पादित बायो-सीएनजी के अनुसंधान कार्य, बगास यानि खोई के उपयोग द्वारा सर्फेक्टेंट के उत्पादन, डाइटरी फाइबर एवं माध्यम घनत्व के पार्टिकल बोर्ड संबंधी अनुसंधान कार्य मे रुचि प्रदर्शित की। जल को रिजाइकिल कर पीने योग्य पानी मे बदला भी जा सकेगा। प्रतिनिधि मंडल में वाणिज्य मंत्रालय, थाईलैण्ड के उपसचिव सुकार्त सिनरात व 15 सदस्यीय टीम थी।

थाइलैंड के कृषि विशेषज्ञों ने देखे 'शर्करा संस्थान' के कार्यकलाप

कानपुर (एसएनबी)। थाइलैंड से आये 15 सदस्यीय कृषि-वाणिज्यक प्रतिनिधियों के दल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में शैक्षणिक-अनुसंधान गतिविधियों का अवलोकन किया। थाई दल थाइलैंड के उप सचिव, वाणिज्य मंत्रालय सुकार्त सिनरात की अगुवाई में यहां पहुंचा है। दल के आगमन का उद्देश्य गन्ना व चीनी उत्पादन क्षेत्र में बेहतरी के लिए परस्पर सहयोग बढ़ाना रहा है।

शर्करा संस्थान के निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने थाई दल के समक्ष संस्थान के कार्यकलापों को लेकर एक प्रेजेंटेशन दिया। थाई प्रतिनिधिमंडल ने फिल्टर केक एवं अन्य कृषि कचरे से उत्पादित बायो-सीएनजी के अनुसंधान कार्य में विशेष दिलचस्पी दिखायी। दल ने खोई से सर्फेक्टेंट, डाइटरी फाइबर एवं माध्यम घनत्व के पार्टिकल बोर्ड निर्माण संबंधी अनुसंधान कार्यों में विशेष रुचि प्रदर्शित करने के साथ ही भावी सहयोग पर चर्चा की।

दोनों देश आपसी सहयोग से पा सकते हैं चीनी उद्योग में खास मुकाम

थाइलैंड के सुकार्त सिनरात ने इस अवसर पर विश्वास जताया कि थाइलैंड का चीनी उद्योग व राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर संयुक्त रूप से मिल कर गन्ने की गुणवत्ता में सुधार एवं प्रबंधन, जल संरक्षण, विविध फीड स्टॉकों से इथेनॉल उत्पादन व अन्य वैल्यू एडेड उत्पादन हेतु नवीन तकनीक का विकास करेंगे। उनके मुताबिक थाइलैंड मोलासेस व कारबस के उपयोग से अल्कोहल उत्पादन व लिक्विड शुगर के उत्पादन में अग्रणी है तथा विश्व में ब्राजील के बाद दूसरा सबसे बड़ा चीनी निर्यातक देश है।

अजय कपूर

मस्कुलर डिस्ट्राफी से पीड़ित मां-बेटी के साथ

Thai delegation visits NSI

Thailand team at NSI seeking collaboration in various fields

Pioneer

PNS ■ KANPUR

A 15-member delegation from Thailand visited the National Sugar Institute here to look into its academic and research activities and to explore possibilities of reaching an understanding for carrying out collaborative works in areas of mutual interest, particularly for enhancing productivity of sugarcane, technical efficiency of sugar plants and for developing innovative products for higher realisation of revenue.

The delegation was led by Suchart Sinrat, Deputy Permanent Secretary, Ministry of Commerce, and comprised members from Cane & Sugar Board, Thailand and Thailand Society of Sugarcane Technologist. They had a look into the various academic and research facilities available at the institute. Welcoming the delegation, NSI Director, Prof Narendra Mohan, gave a presentation about the main functions and current activities of the institute. He said the NSI was working on all spheres related to this sector — enhancing sugarcane and sugar productivity, energy and water conservation and production of various sugar quality as per market demand and particularly on producing value added products from the by-products of the sugar industry.

Prof Mohan said the delegation took keen interest in the research on production of bio-CNG from filter cake and other agro waste and on usage of bagasse for production of sugarcane fibre, dietary fibre and medium density particle boards. The Thai delegation was very much impressed by the institute's efforts in developing novel technique of waste water treatment in sugar industry and its further upgradation to convert waste water to potable water. Expressing satisfaction over the visit, Sinrat said that he believed that Thailand sugar Industry and NSI may work on many areas, particularly with respect to sugarcane quality improvement and management, water conservation, ethanol production from various feed stocks and on production of special sugars. Sinrat said Thailand was already having dual feed stock distilleries producing alcohol using molasses and cassava. He said Thailand had also taken a lead in producing various special sugars and at present was the second largest exporter of sugar after Brazil.

नगर पा

स्वच्छ पलिया

नगर पालिका परिषद,
दिवस) के अवसर पर
1 शहर को स्वच्छ र
कूड़ा एकत्र करने